

friendship and secondly, the reasons therefor.

SHRI MAGANBHAI BAROT: Sir, he has said that he had cordial relations with the then Prime Minister.

SHRI P. V. NARASIMHA RAO: Sir I am answering the question on behalf of the Government. We have no information of any special cordial relations with an individual.

SHRI M. SATYANARAYAN RAO: Mr. Speaker, Sir, the hon. Minister has just returned from America and other countries. I would like to know whether he had any discussion with U.S. officials and U.S. leaders regarding the arms supply to Pakistan and also whether he had expressed any displeasure and also whether he told them that the arms supply to Pakistan will be deemed as unfriendly act towards India.

SHRI P. V. NARASIMHA RAO: Sir, this question did not come up in any discussion. I have been there only for the Group of 77 meeting. After the meeting, I have returned.

Bridge over Ganga

*147. **SHRI CHANDRA SHEKHAR SINGH:** Will the Minister of SHIPPING AND TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the importance of connecting the coal-belt of Dhanbad and Giridih in Bihar to the Nepal border, *via* Belhar and Katoria;

(b) whether a bridge over the Ganga shall be necessary to complete the construction of this National Highway; and

(c) what steps Government contemplate to take in this regard?

THE MINISTER OF SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI A. P. SHARMA): (a) to (c). Dhanbad and Giridih are already connected with Indo-Nepal Border Area by a State

road. The Member presumably desires this road along with a bridge over Ganga to be declared as a National Highway. It is, however, not possible to consider adding at present any new road to the existing National Highway System due to financial constraints and other priority considerations.

SHRI CHANDRA SHEKHAR SINGH: Sir, in view of the importance of providing facilities for coal reaching North Bihar and in view of the fact that there is one single road bridge over Ganga in the whole State of Bihar, and the necessity to construct another road bridge at Sultanganj, would the hon. Minister please reconsider the entire matter?

SHRI A. P. SHARMA: Sir, I have not denied the necessity. The necessity is there, the need is there. Our difficulty is the paucity of fund and as soon as the fund is available, we will definitely consider this question.

SHRI CHANDRA SHEKHAR SINGH: I would like to know whether the Government would consider the possibility of including this project in the Sixth Five Year Plan.

SHRI A. P. SHARMA: I have already said that so far as we are concerned, I mean, so far as the Ministry of Shipping and Transport is concerned, we do realise the necessity of this road to be declared as a National Highway, but at present we are not adding any new road to the existing National Highway and that is due to paucity of fund and we will definitely consider this question as soon as the fund is available.

SHRI BHAGWAT JHA AZAD: The Government's decision to have a bridge on the river Ganga at an equal distance like Buxar and Patna is being flouted by not providing funds for a bridge at Sultanganj or Bhagalpur. So, may I know what action Government propose to take on the reports of the past expert committees submitted to them?

SHRI A. P. SHARMA: I have said that the necessity is there. The site is also suitable. The only difficulty is paucity of funds. I assure the house that as soon as funds are available this question will be taken up.

SHRI BHAGWAT JHA AZAD: Not after ten years I suppose, but very soon.

SHRI A. P. SHARMA. In the next Five Year Plan it should be possible to consider it.

श्री डॉ० पी० यादव : क्या मंत्री महोदय को इन बात की जानकारी है कि 1972 में ही तत्कालीन परिवहन मंत्री, श्री राजबहादुर, ने लिखित रूप से स्वीकार किया था कि यह ब्रिज सुल्तान गंज मही, और नेशनल हाईवे उस पर पास हो, अगर हां, तो 1972 से लेकर आज तक इस बारे में क्या कार्यवाही हुई है ? रेल इंडिया लिमिटेड न सरकार को जो रिपोर्ट सबमिट की है, क्या उसने उसमें इस बात की महत्ता दर्शाई है कि सुल्तान गंज पर इस ब्रिज का निर्माण किए बिना उस क्षेत्र का आर्थिक विकास विगड़ता आ रहा है, इस लिए उसका निर्माण जल्दी होना चाहिए ?

श्री ए० पी० शर्मा : चाहे श्री राजबहादुर ने एग्रेस दिया हो या न दिया हो

श्री डॉ० पी० यादव : दिया है ।

श्री ए० पी० शर्मा : माननीय सदस्य मेरा उत्तर सुनें । मुझे इस बारे में नहीं मालूम है, इस लिए मैंने कहा है कि श्री राजबहादुर ने आश्वासन दिया हो या न दिया हो, इस के आश्चित्य से सरकार इन्कार नहीं करती है ।

माननीय सदस्य मुझे चैलेंज कर रहे थे । मेरे पास खबर आई है कि श्री राजबहादुर ने कोई कमिटेन्ट नहीं किया है । (व्यवधान) मैंने कहा है कि श्री राजबहादुर ने कोई आश्वासन दिया है या नहीं दिया है, यह बात जरूरी नहीं है । जरूरी बात यह है कि इस ब्रिज की आवश्यकता है और इसकी पूर्ति होनी चाहिए । मैं कहना चाहता हूँ कि इसकी आवश्यकता है और जैसे ही हमें फंड्स ऐवेलेबल होंगे, हम इस आवश्यकता की पूर्ति करने की कोशिश करेंगे ।

SHRI HARINATHA MISRA: Is it a fact that the facilities for carrying coal from Chotanagpur coalfields to North Bihar, including the Nepal border have been very inadequate and this is one of the factors why an

area inhabited by more than 3 crores of people has remained undeveloped?

SHRI A. P. SHARMA: I agree with the hon. Member. I have already stated that there is necessity, and this necessity will be considered by the Government.

श्री कवलनाथ झा : सभी मंत्री महोदय ने कहा है कि फंड्स की कमी की वजह से किसी राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण करना अभी सरकार की नीति नहीं है । इस संबंध में मैं यह कहना चाहता हूँ कि राष्ट्र के हित के लिए यह अत्यधिक महत्वपूर्ण मंडक है । हिन्दुस्तान से हिन्दुस्तान में जाने के लिए 40 किलोमीटर नेपाल होकर जाना पड़ना है । भारत की पलटन जब भारत से भारत में जाती है या पुलिस जाती है तो उसके हथियार रख लिए जाते हैं और नेपाली बंधों के नीचे निरस्त्र होकर भारतीय पुलिस और सेना को जाना पड़ता है । शायद दुनिया के किसी और राष्ट्र में ऐसा नहीं है । इस लिए मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि जहाँ राष्ट्रीय परिवहन और यातायात के लिए इतनी महत्वपूर्ण आवश्यकता है वहाँ के लिए क्या सरकार की यह नीति नहीं है कि फंड मुहैया करे और सड़क का निर्माण करे ?

श्री ए० पी० शर्मा : अध्यक्ष महोदय, यह प्रश्न जो माननीय सदस्य ने पूछा है इस प्रश्न से नहीं उठता है । लेकिन मैं इस को एक सुझाव मानता हूँ और इस पर हम लोग विचार करेंगे कि क्या कठिनाई है ।

श्रीमती कृष्णा शाही : सभी मंत्री महोदय ने राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण को पूरा करने में पासिटी आफ फंड्स की वजह से प्रसमर्थता बताई । मैं जानना चाहती हूँ कि क्या इस योजना के लिए सरकार ने कोई एस्टीमेट बनाया है कि कितने रुपये की राशि इस पर व्यय होगी जिसके कारण वह इस योजना को पूरा करने में प्रसमर्थ है ?

श्री ए० पी० शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैंने मूल प्रश्न के उत्तर में यह कहा है कि हमारे पास पैसा है ही नहीं इस योजना के लिए या किसी भी और योजना के लिए, इसीलिए हम राष्ट्रीय मार्ग के लिए कोई पैसा खर्च नहीं कर सकते हैं और खास तौर से यह जो सवाल था इसके सम्बन्ध में मैंने कहा कि जैसे ही पैसा हम लोगों के पास अवैलेबल होगा हम उस पर विचार करेंगे ।

Bombay-Aurangabad Railway Line

*148. **SHRI RAMKRISHNA MORE:** Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether a survey has been conducted by the Railway authorities for